Dx – झूठे भविष्यवक्ताओं से सावधान रहें मत्ती ७:१५-२३ और लूका
६:४३-४५ | 1

– Save This Page as a PDF–

झूठे भविष्यवक्ताओं से सावधान रहें

मत्ती ७:१५-२३ और लूका ६:४३-४५

खोदाई: पेड़ और उसका फल आपको झूठे शिक्षक को पहचानने में कैसे मदद करते हैं? वे कौन से तीन तरीके हैं जिनसे आप एक झूठे शिक्षक की पहचान कर सकते हैं? यीशु ने कहा कि जो कोई मुझ से, “हे प्रभु, हे प्रभु” कहता है, वह स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करेगा। क्या इससे कोई फर्क पड़ेगा अगर वे भविष्यवाणी करें, राक्षसों को बाहर निकालें और उसके नाम पर कई चमत्कार करें? मसीहा उन्हें दुष्ट क्यों कहते हैं? यहोवा उनसे क्या कहेगा? क्या वह क्रूर है या न्यायसंगत है? क्या यहाँ चित्रित वे आस्तिक हैं जिन्होंने अपना उद्धार खो दिया है? क्यों या क्यों नहीं? वे कौन होंगे जो स्वर्ग के राज्य में प्रवेश कर सकेंगे?

चिंतन: हालाँकि यह मार्ग विशेष रूप से झूठे शिक्षकों के खिलाफ चेतावनी देता है, यह अवधारणा पूरी बाइबल में उन लोगों पर भी लागू होती है जो अपने आध्यात्मिक जीवन में अस्वीकार्य फल लाते हैं। अपने आप से पूछना हमेशा समय पर होता है, “आज मैं अपने जीवन में किस प्रकार का फल भोग रहा हूँ?” तो आपका परिवार या सहकर्मी कहेंगे कि आप किस गुणवत्ता का फल पैदा कर रहे हैं? हम असली अभिषिक्त को नकली से कैसे अलग कर सकते हैं?

सी. एस. लुईस की पुस्तक क्रॉनिकल्स ऑफ नार्निया, द लास्ट बैटल की अंतिम पुस्तक में, शिफ्ट नाम का एक कुटिल वानर एक बूढ़े शेर की खाल ढूंढता है और एक सरल दिमाग वाले गधे को इसे पहनने के लिए मनाता है। इसके बाद शिफ्ट का दावा है कि प्रच्छन्न गधा असलान (शेर जो नार्निया का असली राजा है) है और नार्निया के दुश्मनों के साथ गठबंधन बनाता है। वे मिलकर नार्निया की प्रजा को नियंत्रित करने और उन्हें गुलाम बनाने के लिए निकल पड़े। हालाँकि, युवा राजा, टिरियन को विश्वास नहीं हो रहा है कि असलान वास्तव में ऐसी क्रूर प्रथाओं में शामिल होगा। इसलिए, असली असलान की मदद से, वह शिफ्ट और उसके नकली शेर को हरा देता है। मसीह के पंद्रहवें उदाहरण में टोरा की सच्ची धार्मिकता को फरीसी यहूदी धर्म के साथ तुलना करते हुए, वह हमें यह समझना सिखाता है कि क्या झूठ है और झूठे शिक्षकों के खिलाफ चेतावनी देता है।

बाइबल हमें बताती है कि शैतान परमेश्वर की नकल करने के व्यवसाय में है। उसका लक्ष्य परमप्रधान की तरह बनना है (यशायाह Dp पर मेरी टिप्पणी देखें – हे मॉर्निंग स्टार, आप स्वर्ग से कैसे गिरे हैं)। धोखे के माध्यम से, विरोधी मसीह के स्थान पर किसी अन्य को लाने का प्रयास करता है। यीशु ने स्वयं हमें झूठे भविष्यवक्ताओं और नकली मसीहों के बारे में चेतावनी दी जब उन्होंने कहा: सावधान रहो कि तुम धोखा न खाओ। क्योंकि बहुत से लोग मेरे नाम से आएंगे, और दावा करेंगे, “मैं वह हूं,” या “मैं मसीहा हूं,” और, “समय निकट है।” वे बहुतों को धोखा देंगे, परन्तु उनके पीछे न चलो (मत्ती २४:४-५; मरकुस १३:६; लूका २१:८)।

झूठे भविष्यवक्ताओं से सावधान रहें। दुर्भाग्य से, उन्होंने हमेशा इस्राएल को परेशान किया है (गिनती ३१:१५-१६; व्यवस्थाविवरण १३:१-५; यिर्मयाह २८:१-१७)। जहां यहोवा का सत्य प्रकट होता है, उस सत्य के शत्रु निश्चित रूप से भ्रम या धोखे को भड़काने की कोशिश करेंगे (जूड Ah पर मेरी टिप्पणी देखें – ईश्वरविहीन लोग गुप्त रूप से आपके बीच में घुस आए हैं)। वे भेड़ों के भेष में तुम्हारे पास आते हैं, परन्तु भीतर से क्रूर भेड़िये हैं (मत्ती ७:१५)। उन्हें झूठे प्रेरित और झूठे विश्वासी (दूसरा कुरिन्थियों ११:१३ और २६), झूठे शिक्षक (दूसरा पतरस २:१), पाखंडी झूठे (पहला तीमुथियुस ४:१-२), झूठे गवाह (मत्ती २६:६०), और कहा जाता है। झूठे मसीहा (मत्ती २४:२४)। इफिसियों के बुज़ुर्गों को मिलेतुस के पास समुद्र तट पर पॉल के अंतिम शब्दों में उन्हें अलविदा कहते हुए आने वाले अपरिहार्य झूठे शिक्षकों के बारे में एक गंभीर चेतावनी शामिल थी। मैं जानता हूं कि मेरे जाने के बाद जंगली भेड़िये तुम्हारे बीच आ जायेंगे और झुंड को नहीं छोड़ेंगे। यहाँ तक कि तुम्हारे ही बीच से ऐसे लोग उठेंगे जो अपने शिष्यों को अपने पीछे खींचने के लिए सत्य को विकृत करेंगे। इसलिए सावधान रहें (प्रेरितों २०:२९-३१ए)!

झूठे शिक्षकों के बारे में चेतावनी देने के बाद, येशुआ हमें बताता है कि उन्हें पहचानने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। हमें परमेश्वर के वचन के सच्चे चरवाहों और झूठे शिक्षकों के बीच उनके जीवन में आध्यात्मिक फल के आधार पर अंतर करने में सक्षम होना चाहिए। क्या प्रेम, आनंद, शांति, धैर्य, दया, भलाई, विश्वासयोग्यता, नम्रता और आत्म-संयम है (गलातियों ५:२२-२३ए)? या क्या वहां नकारात्मकता, उत्पीड़न और आध्यात्मिक मृत्यु है (ज्यूड As पर मेरी टिप्पणी देखें – वे फल के बिना पतझड़ के पेड़ हैं, समुद्र की जंगली लहरें उनकी शर्मिंदगी को बढ़ा रही हैं, भटकते सितारे हैं)? झूठे भविष्यवक्ता या झूठे शिक्षक, जिनका उपयोग यहाँ ईश्वर के लिए बोलने वाले के व्यापक अर्थ में किया जाता है, उनका मूल्यांकन उनके जीवन से किया जाता है, न कि केवल उनकी उपस्थिति या उनके शब्दों से। यीशु ने कहा: उनके फल से तुम उन्हें पहचानोगे (मत्ती ७:१६ए; लूका ६:४४ए)। फरीसियों का न्याय उनके फलों से किया जाना था। वे धर्मात्मा नहीं थे. यदि वे धर्मी होते, तो धर्म का फल दिखाते। तथ्य यह है कि वे खराब फल पैदा कर रहे थे, इससे पता चलता है कि न तो वे और न ही फरीसी यहूदी धर्म धर्मी थे।

अगर हम गौर से देखें तो धोखा खाने की जरूरत नहीं है. कुछ झूठे
शिक्षक स्पष्ट रूप से नकली होते हैं और वे केवल सबसे भोले-भाले व्यक्ति को ही अपने साथ लेते हैं। अन्य लोग अविश्वसनीय कौशल के साथ अपने वास्तविक स्वरूप को छिपाते हैं, और केवल सावधानीपूर्वक अवलोकन ही उन्हें उजागर कर देगा कि वे क्या हैं। ये वे हैं जिनका यीशु ने यहां वर्णन किया है। क्या लोग कंटीली झाड़ियों से अंगूर तोड़ते हैं, या ऊँटकटारों से अंजीर तोड़ते हैं (मत्ती ७:१६बी; लूका ६:४४बी)? यहां यूनानी निर्माण नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा करता है। दूर से देखने पर ऐसा लग सकता है कि अंगूर और अंजीर असली फलों के पेड़ों पर उग रहे थे। फल असली प्रतीत होता है, इसलिए भोले-भाले लोग यह निष्कर्ष भी निकाल सकते हैं कि पेड़ असली होना चाहिए। लेकिन भले ही यह फल रंगीन और आकर्षक दिखता है, लेकिन वास्तव में यह कड़वा, अरुचिकर और यहां तक कि जहरीला भी होता है। निस्संदेह, झूठे शिक्षकों के फल को परखना उतना आसान नहीं है जितना किसी बगीचे के फल को परखना। लेकिन बाइबल हमें उन लोगों की पहचान करने के तीन तरीके सिखाती है जो भेड़ के भेष में भेड़िए हैं।

झूठे शिक्षकों की पहचान करने का पहला तरीका उनके चरित्र से है। किसी व्यक्ति का मूल चरित्र – उसके आंतरिक उद्देश्य, मानक, निष्ठा, दृष्टिकोण और महत्वाकांक्षाएं – अंततः कार्यों में प्रकट होंगे। अच्छा मनुष्य अपने मन में भण्डारित भलाई में से अच्छी बातें निकालता है, और बुरा मनुष्य अपने मन में भण्डारित बुराई में से बुरी बातें निकालता है। क्योंकि जो मन में भरा होता है वही मुंह से बोलता है। (लूका ६:४५) अभिव्यक्ति हृदय का प्रयोग आमतौर पर लूका द्वारा किसी व्यक्ति के आंतरिक अस्तित्व को संदर्भित करने के लिए किया जाता है जिसमें से दृष्टिकोण (लूका २:३५, १६:१५) और मूल्य आते हैं (लूका १२:३४)। एक बुरा हृदय आलोचनात्मक और आलोचनात्मक दृष्टिकोण (लूका ५:२२, ९:४७), संदेह (लूका २४:३८), और दुष्टता (प्रेरित ८:२२) उत्पन्न करता है; परन्तु अच्छा मन अच्छा फल उत्पन्न करता है (देखें Et – मिट्टी का दृष्टांत)। परिणामस्वरूप, हमें अपने हृदयों की रक्षा करनी चाहिए (लूका २१:३४)।

झूठे शिक्षकों की पहचान करने का दूसरा तरीका उनके धर्म से है। पहली नज़र में वे बाइबिल आधारित और रूढ़िवादी लग सकते हैं, लेकिन सावधानीपूर्वक जांच करने पर हमेशा उन अवधारणाओं का पता चलता है जो बाइबिल आधारित नहीं हैं और मजबूत, स्पष्ट धर्मशास्त्र का अभाव है। झूठे

विचार पढ़ाये जायेंगे और महत्वपूर्ण सत्य छोड़ दिये जायेंगे। अंतिम विश्लेषण में, फल एक पेड़ को दिखाएगा कि वह कैसा है, क्योंकि हर अच्छा पेड़ अच्छा फल लाता है, लेकिन एक बुरा पेड़ बुरा फल लाता है (मत्ती ७:१७)। गलील का कोई भी किसान आपको बता सकता है कि एक अच्छा पेड़ बुरा फल नहीं ला सकता, और एक बुरा पेड़ अच्छा फल नहीं ला सकता (मत्ती ७:१८; लूका ६:४३)। सभी झूठे शिक्षकों के पास मेशियाच के बारे में अधूरा, विकृत या विकृत दृष्टिकोण होगा। यदि विरोधी पापियों के उद्धारकर्ता के बारे में लोगों को भ्रमित और गुमराह कर सकता है, तो उसने शुभ समाचार के मूल में ही उन्हें भ्रमित और गुमराह कर दिया है। उनका संदेश अंतरालों से भरा है, जिनमें से सबसे बड़ा अंतर सत्य है जो बचाता है। इसलिए, दूसरा प्रमाण यह है कि जो लोग व्यापक मार्ग पर यात्रा करते हैं (देखें Dw – संकीर्ण और चौड़े द्वार) वे मसीहाई साम्राज्य में प्रवेश नहीं करेंगे, वह यह है कि उनका जीवन मसीह और उनके वचन की नींव पर नहीं बना है।

झूठे शिक्षकों की पहचान करने का तीसरा तरीका उनका धर्मान्तरित होना है। उनके अनुयायी उनके जैसे ही होंगे, जिनके पास उनके जैसा ही सतही, घमंडी, आत्म-केंद्रित, आत्म-इच्छाधारी और अशास्त्रीय विश्वास होगा। नकली शिक्षक और उनके नकली अनुयायी सत्य से प्रेम करने से इनकार करते हैं और इसलिए बचाए रहें। इस कारण से परमेश्वर ने उन्हें एक शक्तिशाली भ्रम भेजा है ताकि वे झूठ पर विश्वास करें और ताकि वे सभी दोषी ठहराए जाएं जिन्होंने सत्य पर विश्वास नहीं किया बल्कि दुष्टता से प्रसन्न हुए (दूसरा थिस्सलुनीकियों २:१०बी-१२)। अंतिम विश्लेषण में, यहोवा यह सुनिश्चित करता है कि हर पेड़ जो अच्छा फल नहीं लाता है उसे काट दिया जाएगा और आग में फेंक दिया जाएगा (मत्ती ७:१९)।

आग निश्चित रूप से भीड़ को मृत्यु के बाद के जीवन में आम विश्वास और बेन-हिनोम के रूप में न्याय के स्थान की याद दिलाएगी जो धर्मग्रंथों में नरक का प्रतिनिधित्व करता है। यिर्मयाह रिकॉर्ड करता है: उन्होंने अपने बेटों और बेटियों को मोलेक के लिए बलिदान करने के लिए बेन-हिन्नोम की घाटी में बाल के लिए ऊंचे स्थान बनाए (यिर्मयाह ३२:३५)। ईसा मसीह के समय में, हिन्नोम की घाटी शहर के सभी कूड़े-कचरे का सामान्य भंडार बन गई थी। यहां जानवरों और अपराधियों के शव और हर तरह की गंदगी फेंकी जाती थी और हमेशा जलती रहने वाली आग में भस्म कर दी जाती थी। इस प्रकार समय की प्रक्रिया में यह अनन्त विनाश के स्थान की छवि बन गया, और हमारे प्रभु द्वारा इस अर्थ में उपयोग किया गया (मत्ती ५:२२, ५:२९-३०, १०:२८, १८:९, २३:१५; मार्क ९ :४३-४७; लूका १२:५). इस प्रकार, उनके फल से आप उन्हें पहचान लेंगे (मत्ती ७:२०)।

आध्यात्मिक धोखा न केवल झूठे बाहरी दिखावे के बारे में है, बल्कि इसका झूठे शब्दों से भी बहुत लेना-देना है। कोई भी अपने मुख से हे प्रभु, प्रभु कह सकता है। हर कोई जो मुझसे, “प्रभु, प्रभु” कहता है, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करेगा, लेकिन केवल वे ही जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलते हैं। ध्यान दें कि यह वह नहीं है जो कहता है कि वह यीशु को जानता है या जो उसके बारे में कुछ तथ्यों पर विश्वास करता है; बल्कि, वही बचाया जाता है जो पिता की इच्छा पूरी करता है। मुद्दा परमेश्वर के वचन के प्रति आज्ञाकारिता है।

येशुआ ने कहा: यदि तुम मेरी शिक्षा पर कायम रहोगे तो तुम सचमुच मेरे शिष्य हो। तब तुम सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा (यूहन्ना ८:३१, मत्ती २४:१३; कुलुस्सियों १:२२-२३ भी देखें)। आप मुक्ति और आज्ञाकारिता को प्रभु की इच्छा से अलग नहीं कर सकते, जैसा कि इब्रानियों का लेखक स्पष्ट करता है: वह उन सभी के लिए शाश्वत मुक्ति का स्रोत बन गया जो उसकी आज्ञा मानते हैं (इब्रानियों ५:९)।

ध्यान दें कि जिन लोगों को दूर कर दिया जाएगा वे मूर्तिपूजक नहीं हैं। वे धार्मिक लोग हैं जिन्होंने चौड़े द्वार और चौड़े रास्ते को चुना है जो विनाश की ओर ले जाता है (मत्तीयाहू ७:१३ डीबीटी)। उनकी दलील उनके द्वारा किए गए धार्मिक कार्य होंगे। न्याय के उस दिन बहुत से लोग मुझसे कहेंगे (प्रकाशित Fo – द ग्रेट व्हाइट थ्रोन जजमेंट पर मेरी टिप्पणी देखें), “हे प्रभु, हे प्रभु, क्या हमने आपके नाम पर भविष्यवाणी नहीं की और आपके नाम पर राक्षसों को नहीं निकाला और आपके नाम पर बहुत से कार्य नहीं किए चमत्कार” (मत्ती ७:२१-२२)? रब्बी शाऊल ने कहा कि इस तरह के लोगों में भक्ति का एक रूप होता है लेकिन वे इसकी शक्ति से इनकार करते हैं (दूसरा तीमुथियुस ३:५)। वे काफी हद तक फरीसियों की तरह हैं, जो धार्मिक गतिविधियों से ग्रस्त हैं, जरूरी नहीं कि वे धर्मत्यागी, विधर्मी, ईश्वर-विरोधी, नास्तिक या अज्ञेयवादी हों – केवल वे लोग जो विश्वास पर आधारित धार्मिकता को जीने के बजाय बाहरी कार्यों के माध्यम से ईश्वर का अनुग्रह अर्जित करने की कोशिश कर रहे हैं।

परन्तु जो अधर्म करेगा, वह अलग किया जाएगा। तब मैं उनसे साफ कह दूँगा, “मैं तुम्हें कभी नहीं जानता था। हे कुकर्मियों, मुझ से दूर हो जाओ” (मत्ती ७:२३)! इसका मतलब यह नहीं है कि परमेश्वर नहीं जानते थे कि वे कौन हैं। वह उनकी पहचान भली-भांति जानता है। लेकिन हिब्रू मुहावरा जानना अंतरंग संबंधों का प्रतिनिधित्व करता है। इसका उपयोग वैवाहिक अंतरंगता के लिए अक्सर किया जाता था (उत्पत्ति ४:१ और १७)। इसका उपयोग हाशेम की अपने चुने हुए लोगों इज़राइल और उन सभी लोगों के साथ विशेष अंतरंगता के लिए भी किया गया था जो उस पर विश्वास करते हैं। एक विशिष्ट और सुंदर तरीके से प्रभु उन लोगों को जानते हैं जो उनकी शरण में आते हैं (नहूम १:७ एनएएसबी)। अच्छा चरवाहा अपनी भेड़ों को गहराई से जानता है (यूहन्ना १०:१-१४)। यहां सबक यह है कि यदि कोई व्यक्ति अवज्ञा का अधर्मी जीवन जीता है, तो इससे वास्तव में कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह क्या कहती है या उसने क्या अच्छे काम किए हैं। वह एक अविश्वासी है और अनन्त विनाश के खतरे में है। पहाड़ी उपदेश के इस भाग में, येशुआ लोगों को फरीसियों, जो झूठे शिक्षक थे, का अनुसरण करने के विरुद्ध बहुत कड़े शब्दों में चेतावनी दे रहे थे।

विश्वासियों के भेष में धोखेबाजों के कारण पूरे इतिहास में परमेश्वर का नाम बदनाम हुआ है। इन अनुच्छेदों में हमें फल निरीक्षक बनने का आदेश दिया गया है। इसका मतलब यह नहीं है कि हमें दूसरों का मूल्यांकन करना चाहिए। परन्तु यदि कोई आस्तिक होने का दावा कर रहा है तो हमें याद रखना चाहिए कि हर अच्छा पेड़ अच्छा फल लाता है, परन्तु बुरा पेड़ बुरा फल लाता है। लेकिन प्रेरित यूहन्ना ने हमें बुरे फल को पहचानने के कुछ अन्य तरीके दिए हैं।

कुछ लोगों का मानना है कि यहाँ जो चित्रित है वह वे लोग हैं जिन्होंने “अपना उद्धार खो दिया है।” लेकिन, यह सच नहीं हो सकता क्योंकि बाइबल सिखाती है कि विश्वासी मसीह में सदैव सुरक्षित रहते हैं (देखें Ms – आस्तिक की शाश्वत सुरक्षा)। उन्होंने “अपना उद्धार नहीं खोया”, क्योंकि उन्हें शुरुआत में कभी बचाया नहीं गया था। यूहन्ना सिखाता है कि वे हम में से निकल गए; लेकिन वे वास्तव में हमारे नहीं थे। क्योंकि यदि वे हमारे होते, तो हमारे ही साथ बने रहते; परन्तु उनके जाने से यह प्रगट हो गया कि उन में से कोई हमारा नहीं है (प्रथम यूहन्ना २:१९)।

हे प्रियो, हर एक आत्मा की प्रतीति न करो, परन्तु आत्माओं को परखो कि वे परमेश्वर की ओर से हैं, क्योंकि जगत में बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता निकल आए हैं। इस प्रकार आप परमेश्वर की आत्मा को पहचान सकते हैं: प्रत्येक आत्मा जो स्वीकार करती है कि यीशु मसीह शरीर में आया है वह परमेश्वर की ओर से है, परन्तु प्रत्येक आत्मा जो यीशु को स्वीकार नहीं करती है वह परमेश्वर की ओर से नहीं है। यह मसीह-विरोधी की आत्मा है, जिसके बारे में तुम सुन चुके हो कि वह आ रही है और अब भी जगत में है (प्रथम यूहन्ना ४:१-३)।

तो हम नकली से असली मसीहा कैसे बता सकते हैं? एकमात्र प्रामाणिक मसीह वह है जिसका वर्णन धर्मग्रंथों में किया गया है। कोई भी व्यक्ति या कोई भी चीज़ जो बाइबल में प्रस्तुत यीशु से भिन्न येशुआ का चित्रण करती है, वह “शेर के भेष में गधे” को बढ़ावा दे रहा है।

१९१५ में पादरी विलियम बार्टन ने लेखों की एक श्रृंखला प्रकाशित करना शुरू किया। एक प्राचीन कथाकार की पुरातन भाषा का उपयोग करते हुए, उन्होंने अपने दृष्टान्तों को सफेड द सेज के उपनाम से लिखा। और अगले पंद्रह वर्षों तक उन्होंने सफ़ेद और उसकी स्थायी पत्नी केतुराह के ज्ञान को साझा किया। यह एक ऐसी शैली थी जिसका उन्होंने आनंद लिया। कहा जाता है कि १९२० के दशक की शुरुआत तक सफ़ेद के अनुयायियों की संख्या कम से कम तीन मिलियन थी। एक सामान्य घटना को आध्यात्मिक सत्य के चित्रण में बदलना हमेशा बार्टन के मंत्रालय का मुख्य विषय रहा है।

अब ऐसा हुआ कि जब मैं यात्रा कर रहा था, तो मेरी नज़र एक महान चर्च पर पड़ी, जिसे बिल्डर महान बना रहे थे। और उन्होंने दीवार का एक निश्चित भाग गिरा दिया, और इसे पश्चिम की ओर बनाया, और अंग को हटा दिया, और एक बड़ा निर्माण किया। अब, चर्च के भीतर जो अंग था, उसका स्वर मधुर था, लेकिन उसे बहुत छोटा माना जाता था, और, इसके अलावा, वह इतना सूखा हो गया था कि वह चरमराने लगा, और चीखने लगा, और उसने वे काम किए जो उसे नहीं करने चाहिए थे किया, और उन कार्यों को अधूरा छोड़ दिया जो उसे करना चाहिए था। इसलिए उन्होंने इसे हटा दिया. लेकिन उसमें मौजूद पाइप अभी भी अच्छे थे, और उन्होंने उन्हें सावधानी से बचाया, ताकि एक और बड़ा अंग बनाया जा सके।

अब, पुराना ऑर्गन इतना महान कभी नहीं था जितना लगता था, लेकिन इसे जितना बड़ा स्थान बनाया जा सकता था, उससे कहीं अधिक बड़ा बनाया गया था। और सामने की पंक्ति में आधे पाइप असली पाइप थे और दूसरे आधे डमी थे। और अंग चालीस वर्षों से खड़ा था, और उसके सामने बैठा कोई भी यह

नहीं बता सकता था कि आधे पाइप डमी थे, न ही कोई यह बता सकता था कि कौन से असली पाइप थे, और कौन से डमी थे।

लेकिन जब अंग को हटा दिया गया, तो असली पाइपों को देखभाल के साथ पैक किया गया, और एक महान कारखाने में भेज दिया गया, जहां किसी अन्य अंग में पुनर्निर्माण किया जाना था। लेकिन डमी पाइप, कुछ बड़े और कुछ छोटे, हिन्नोम की घाटी में ले जाने के लिए कबाड़ में डाल दिए गए, जो शहर के फाटकों के बाहर एक घाटी है, जैसे कि यरूशलेम के पास, जहां कीड़ा नहीं मरता, क्योंकि वह कूड़ा-कचरा ही ग्रहण करती है, और आग बुझती नहीं, क्योंकि वे और कूड़ा-कचरा उस में ले आते हैं।

अब जब डमी पाइप उन्हें हिन्नोम की घाटी तक ले जाने के लिए ट्रैश मैन के आने का इंतजार कर रहे थे, तो कारीगरों में से एक ने सबसे बड़ा पाइप ले लिया, जो बारह हाथ लंबा था, और एक असली पाइप की तरह था जो शायद मध्य सी का स्वर दिया गया था लेकिन उसने कभी कोई स्वर नहीं दिया था, क्योंकि यह एक डमी था। और कारीगर ने उसे ले लिया, और उसे सीवर पाइप के अंत में रख दिया, क्योंकि वह इमारत में टूट गया था; फिर भी अभयारण्य के पुराने हिस्से में सीवर अभी भी उपयोग में था, लेकिन कुछ दिनों की आवश्यकता थी कि वहां एक अस्थायी पाइप रखा जाए, ताकि गंदगी उस स्थान पर न बह जाए जहां काम करने वाले काम करते थे; और प्लंबर सीवर कनेक्शन बना सकते हैं। तो मैं आया और देखा, और देखो, वह सुंदर पाइप, जो लंबाई में बारह हाथ था, और आधा हाथ चौड़ा था, गंदगी के निकास के लिए नाली के रूप में उपयोग किया जा रहा था।

और मैं अप्रसन्न हुआ, और मैंने कर्मकार के स्वामी की खोज की, और मैंने कहा, तुम क्या कर रहे हो, उस पाइप को अपवित्र कर रहे हो जो अंग में अपना स्थान बना चुका है? निःसन्देह तुम ने कोई अपवित्र काम किया है!

और उसने कहा, वह पाइप अच्छी सेवा कर रहा है, और उसे फेंक दिया गया था, और यह किसी और काम के लिए अच्छा नहीं था। हमें एक पाइप खरीदने के लिए पैसा क्यों खर्च करना चाहिए और काम में देरी क्यों करनी चाहिए, जबकि हमारे पास एक ऐसा पाइप है जो काफी बड़ा है और हमारी जरूरतों के लिए काफी लंबा है?

नहीं, मैंने कहा, लेकिन यह पाइप नहीं। क्योंकि परमेश्वर के भवन की आराधना में इसका अपना भाग है; और भले ही इसे एक तरफ फेंक दिया जाए, मैं चाहता हूं कि इसके साथ आदरपूर्वक व्यवहार किया जाए।

परन्तु कर्मकार के स्वामी ने मुझ से कठोरता से बात की, और कहा, व्यापार तो व्यापार है। उनके उपदेश पर ध्यान दो और मैं अपने भवन में उपस्थित रहूँगा। नई इमारत पर पैसा बचाने के लिए हमें पुरानी इमारत से जो सामग्री हम ले सकें उसका उपयोग करना चाहिए। जीवन यापन की उच्च लागत और स्ट्राइकरों के खतरे के कारण, खर्चों का भुगतान करना काफी कठिन है।

तब मैं ने कहा, लो, मैं कंगाल हूं, तौभी मैं उस स्थान के लिथे लोहे के पाइप का दाम दूँगा, कि

जो वस्तु परमेश्वर की उपासना में हो, वह गन्दगी से अपवित्र न हो।

लेकिन मास्टर बिल्डर ने मुझसे कहा, अपना पैसा रखो, और इसके साथ बहुत ज्यादा खाली मत रहो। जहां तक पाइप की बात है, परेशानी अपने आप को नहीं। चालीस वर्षों तक यह ईश्वर के घर में खड़ा रहा, स्वयं को मधुर संगीत देने की झूठी घोषणा करता रहा, और इसने कुछ भी नहीं दिया। इसके बनने के बाद से यह पहली बार है कि इसका स्वर्ग के नीचे किसी भी तरह से उपयोग किया गया है। इसे उस चीज़ के लिए उपयोग करने दें जिसके लिए यह अच्छा है, और फिर इसे कबाड़ के साथ जाने दें।

तब मैं चला गया, और ध्यान करके कहा, देखो, कपटी का भाग यही है; हालाँकि वह चालीस वर्षों तक ईश्वर के घर में अपने स्थान पर खड़ा रहेगा, फिर भी अंत में एक पवित्र उपहास प्रकट होगा, और ईश्वर उसके लिए वह स्थान खोजेगा जो वह अभी भी उपयोग कर सकता है, लेकिन यह एक सुखद व्यवसाय नहीं हो सकता है।

और उसके बाद कई बार मैंने डमी ऑर्गन पाइप और डमी बिलीवर के बारे में सोचा। और मैं ने कहा, देखो, यदि ऐसा अवश्य है कि जिसका प्राण झूठा हो, वह हिन्नोमियोंकी तराई में जाएगा, तो यहोवा की चाल पूरी रीति से न्यायपूर्ण और धर्ममय है।

लेकिन मुझे याद आया कि डमी पाइप को सोने की पत्ती से सजाया गया था, और यह देखने में अच्छा था। और मुझे उस आधार पर दुख हुआ जिस पर इसे रखा गया था। लेकिन मैं इस बात से इनकार नहीं कर सका कि अंत में यह उपयोगी था। और मैंने इन बातों पर विचार किया।